Letter 12/12/89

शांतिमय संपूर्ण क्रांति के लिए निर्दलीय व्यापक संगठन

जनमुक्ति संघर्ष वाहिनी : स्थापना सम्मेलन (बंबई)

28, 29, 30 दिसंबर 1989 जनता कॅंप, ताडदेव, बंबई.

कार्यालय :— शांताश्रम, 299, ताडदेव रोड, बंबई - 400 007. फोन : 352061 / 358730

दिनांक 12·12·89

साथियों,

देश की मुख्यधारा से अलग-थलग आम जनता को गैर चुनावी निर्दलीय संगठनों की शक्ल में संगठित करना ही आज की प्रमुख राजनीतिक चुनौती है। आर्थिक व सामाजिक प्रश्नों पर आम जनता के संगठित आंदोलन नहीं रहने के कारण आजाद भारत की सरकारों ने पूँजीपतियों व शोषकों के पक्ष में स्पष्ट तौर पर भूमिका ली है। सांप्रदायितकता को संरक्षण मिला, हिंसा बढ़ी व आम जनता के जीवन जीने के अधिकारो में कटौती हुई है। भोपाल जैसी गैस दुर्घटनाएँ व उनसे लाखों पीड़ितों के सवाल पर सरकार चंद पूंजीपतियों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हितों के लिये काम करती रही है। देश भर में मौजूदा विकास नीति के चलते वनों आदिवासी व पिछड़े क्षेत्रों में लाखों लोगों का विस्थापन हो रहा है तथा देशभर में बेकारी व भुखमरी का प्रतिशत हर वर्ष बढ़ रहा है। वर्तमान सामाजिक ढांचे के कारण दलितों और स्त्रियों का शोषण जारी है।

यदि देश के स्तर पर ऐसा एक संगठन बने जो लोगों की उदासीनता को तोड़कर उसे आंदोलित कर सके तो हालात बदले जा सकते हैं। संपूर्ण क्रांति धारा के ऐसे एक संगठन की जरूरत रही है जो लोकतांत्रिक क्रान्तिकारी धारा के सभी कार्यकर्ताओं, समर्थको, जनसंगठनों की धुरी बन सके और इसमें हर उम्र के लोग भी आ सकें।

छात्र युवा संघर्ष वाहिनी की बोधगया राष्ट्रीय परिषद ने इस तरह के एक संगठन बनाने के लिये प्रस्ताव पारित किया वाहिनी ने गन्धमार्दन सुरक्षा आंदोलन, सरदार सरोवर संघर्ष बोधगया भूमि आंदोलन, शिरपुर आदिवासी जमीन संघर्ष स्त्रियों को बोधगया में जमीन का स्वामित्व जैसे कई जन आंदोलनों से देशभर में एक ऐसा समर्थक समूह भी खड़ा हुआ जो व्यापक संगठन की जरूरत महसूस करता रही है। 1988 में वाहिनी की भुसावल बैठक ने एक संगठन निर्माण समिति भी गठित किया। इस समिति ने बिहार, राजस्थान, उडीसा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, दिल्ली , मेघालय व मध्यप्रदेश राज्यों में वाहिनी के कार्यक्षेत्रों के अलावा कई नये कार्यकर्ता समुहों से भी संपर्क करके संगठन की अवधारणा व स्वरूप पर बिचार विमर्श किया। उसके बाद इस वर्ष अगस्त में पाईकमाल(उडीसा) में एक बैठक संपन्न हुई। उसी बैठक में जनमुक्ति संघर्ष वाहिनी नामक एक निर्दलीय संगठन बनाने का प्रस्ताव किया गया इसके नाम, नीति, घोषणा पत्र तथा कार्यक्रम घोषित करने के लिये बंबई में एक सम्मेलन भी आयोजित करने का फैसला हुआ।

28-29-30 दिसम्बर को बंबई में हो रहे देशभर के कार्यकर्ताओं के इस व्यापक सम्मेलन में मित्र संगठनों व कई जनआन्दोलन के कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों की भी पर्यवेक्षक की रूप में भागीदारी रहेगी। सम्मेलन में शरीक होकर आप संगठन निर्माण की प्रक्रिया में जुड़ें इस अपेक्षाके साथ यह निमंत्रण पत्र आपको भेज रहे हैं।

आपका,

प्रतिनिधि/पर्यवेक्षक

जनमुक्ति संघर्ष वाहिनी
स्थापना सम्मेलन तैयारी समिति।

बम्बई सम्मेलन का विस्तृत कार्यक्रम

28·12·89	सायंकाल 5·00 बजे	उद्घाटन सत्र तथा जनमुक्तिसंघर्ष वाहिनी नाम व नीतिवक्तव्य का प्रस्ताव।
29·12·89	9 से 12 बजे दोपहर तक	नीति वक्तव्य पर विचार विमर्श
	2 से 5 बजे तक	नीति वक्तव्य की मंजूरी तथा घोषणा पत्र का प्रारूप।
	रात 7 से 9 बजे तक	घोषणा पत्र पर विचार विमर्श व मंजूरी तथा संविधान का प्रस्ताव।
30·12·89	प्रातः 8 से 1 बजे तक	संविधान पर विचार विमर्श व मंजूरी तथा कार्यकारी टीम का गठन। कार्यक्रम का प्रस्ताव व घोषणा।
	शाम 4 बजे से	खुला अधिवेशन व सभा।

सम्मेलन स्थल पर कैसे पहुँचे

सम्मेलन "बॉम्बे सेन्ट्रल" रेलवे स्टेशन के "पश्चिम" में स्थित जनता केंद्र में आयोजित किया गया है। जनता केंद्र "बॉम्बे सेन्ट्रल" रेलवे स्टेशन से पैदल केवल पाँच मिनट के अंतर पर है।

मध्य रेलवे से आने वाले साथीगण दादर रेलवे स्टेशन पर उतरें व दादर पश्चिम रेलवे के प्लेटफॉर्म नं· 2 पर आएँ। वहाँ से चर्चगेट स्टेशन की ओर जाने वाली रेलवे लोकल पकड़ेंतथा बॉम्बे सेंट्रल स्टेशन पर उतरें। दादर से बॉम्बे सेन्ट्रल आने में दस मिनट लगते है।

पश्चिम रेलवे से आनेवाले साथीगण "बॉम्बे सेन्ट्रल" पहुँचकर उतरें।

जनता केंद्र फो.नं 4947669